पेड़–पौधों का महत्त्व

5

(लेख)

रिंकी एक बहुत ही प्यारी लड़की थी। एक दिन वह बीमार हो गई। उसके *शरीर* पर छोटे-छोटे दाने निकल आए। दाने देखकर *परिवार* के सभी लोग घबरा गए। उसकी माँ ने नीम की पत्तियों को पानी में अच्छी तरह उबालकर उस पानी से उसे *स्नान* कराया। रिंकी बिलकुल ठीक हो गई।

उसने यह बात अपनी सभी सहेलियों को भी बताई।

कुछ दिन बाद *सहेलियाँ* रिंकी के घर गईं। उन्होंने रिंकी की माँ से कहा–"आंटी, हमें भी पेड़-पौधों के बारे में कुछ बताइए न!"

उन्होंने कहा–"ठीक है बच्चों, आज मैं तुम्हें पेड़-पौधों के बारे में कुछ जानकारी देती हूँ। सबसे पहले तो यह बात गाँठ बाँध लो कि पेड़-पौधे हमारे सच्चे मित्र हैं। ये हमारे लिए बहुत *उपयोगी* हैं। ये हमें जीने के लिए ऑक्सीजन देते हैं, जो *शुद्ध वायु* होती है। इनसे हमें भोजन, फल-सब्जियाँ, तेल, मसाले यहाँ तक कि दवाइयाँ भी मिलती हैं।"

सभी बच्चे रिंकी की माँ की बात बहुत ध्यान से सुन रहे थे। तभी शालू ने पूछा– "आंटी! क्या सभी पेड़-पौधों में कोई न कोई गुण जरूर होता है?" रिंकी की माँ ने कहा– "हाँ बेटी, *संसार* में कोई भी पेड़-

पौधा ऐसा नहीं है, जिसमें कोई गुण न हो।"

रिंकी की माँ ने आगे कहा– "बच्चों, पेड़-पौधे हमारी *सहायता* करते हैं। वे हमें फल और सब्जियाँ देते हैं। पका आम तो तुम्हें बहुत अच्छा लगता है न!" सब बच्चों ने 'हाँ' में सिर हिला दिया।

रिंकी बोली– "माँ, कच्चा आम तो अचार के काम भी आता है।"

रिंकी की माँ बोलीं– "हाँ बच्चों, इसके *अतिरिक्त* आम के पेड़ की लकड़ियाँ हवन के समय काम आती हैं। नीम तो हमारे लिए प्रकृति का बहुत बड़ा उपहार है।"

सभी बच्चे हैरानी से बोले– "कैसे आंटी?"

रिंकी की माँ बोली– "इसकी टहनियों से *दातून* बनती है और दातून करने से दाँतो में कीड़ा नहीं लगता। अनाज और गरम कपड़ों में नीम की सूखी पत्तियाँ रखने से उनमें भी कीड़ा नहीं लगता। क्या तुम जानते हो कि पेड़-पौधे हमारे लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी उपयोगी हैं।"

प्रिया बोली– "हाँ आंटी, वे भी पेड़ों की छाया में आराम करते हैं। बहुत-से पक्षी तो पेड़ों की डालियों पर ही घोंसला बनाते हैं।"

शालू ने कहा– "उनकी लकड़ी फर्नीचर बनाने के काम आती है। कुछ लोग तो लकड़ियों का प्रयोग *ईंधन* के रूप में भी करते हैं।"

निधि बीच में बोली– "मेरी माँ दीवाली पर फूल-पत्तियों से घर भी सजाती हैं।"

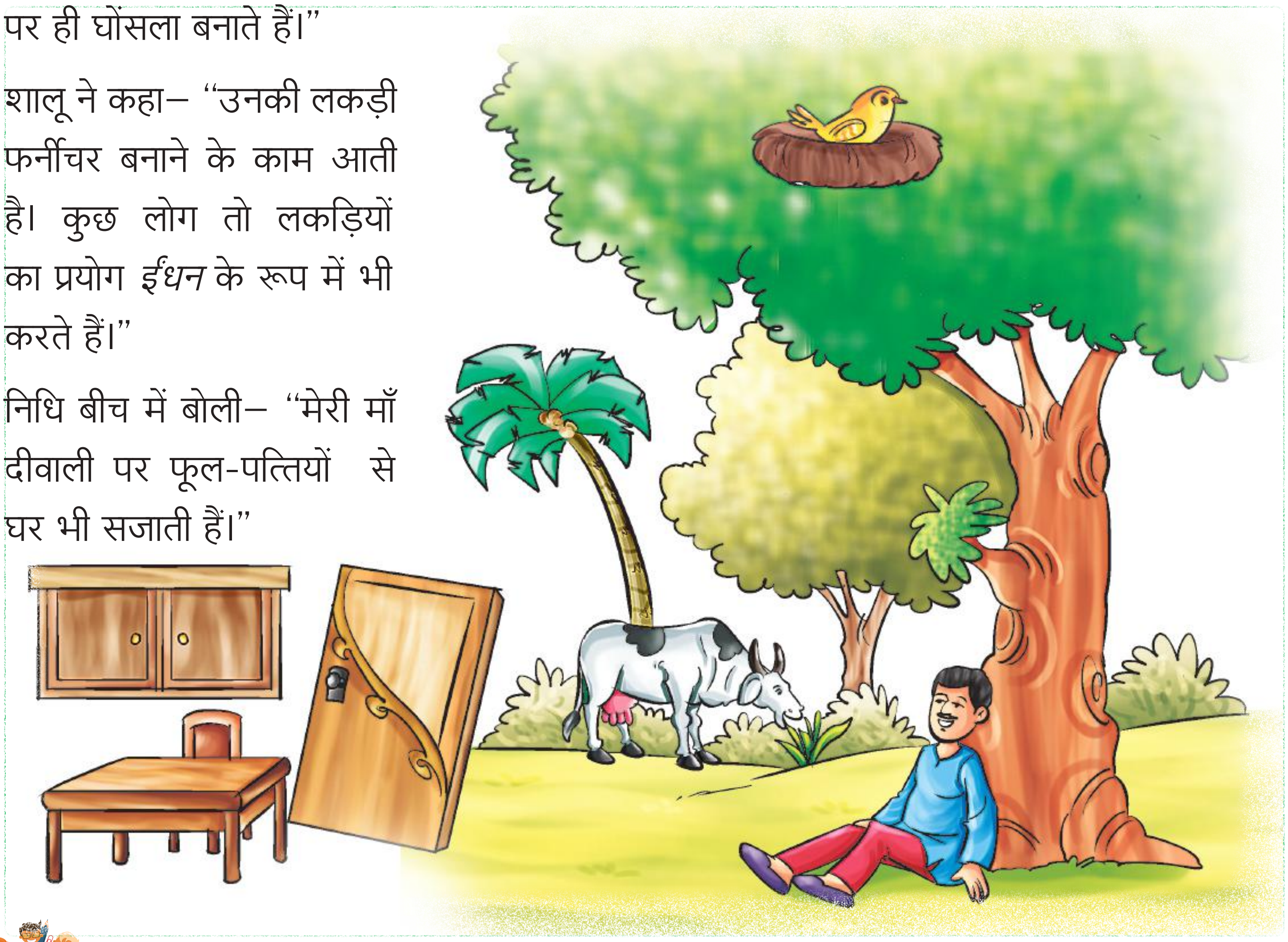

रिंकी की माँ बोली– "हाँ बच्चों, तुमने बिलकुल ठीक कहा। इसलिए हमें पेड़ों को कभी नही काटना चाहिए और अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए।"

सभी सहेलियों ने कहा– "हाँ आंटी, अब से हम ढेर सारे पेड़ लगाएँगे।" फिर सब सहेलियाँ प्रसन्नता से अपने-अपने घर लौट गईं।

शब्द-अर्थ

शरीर — तन *(body)*,
उबालना — खौलाना *(to boil)*,
सहेलियाँ — सखियाँ *(friends)*,
शुद्ध — साफ *(pure)*,
संसार — दुनिया *(world)*,
अतिरिक्त — अलावा *(additional)*,
ईंधन — जलाने के लिए लकड़ी *(fuel)*,
परिवार — एक घर में रहने वाले लोग *(family)*,
स्नान — नहाना *(bathe)*,
उपयोगी — लाभदायक *(useful)*,
वायु — हवा *(wind)*,
सहायता — मदद *(help)*,
दातून — नीम की टहनी का छोटा-सा नरम टुकड़ा *(neem twig used as a toothbrush)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

प्यारी	रिंकी	पत्तियों	स्नान	गाँठ	ऑक्सीजन
शुद्ध	सब्जियाँ	दवाइयाँ	अतिरिक्त	लकड़ियाँ	ईंधन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) रिंकी को क्या हुआ था?

(ख) पेड़-पौधे जीने के लिए कौन-सी गैस देते हैं?

(ग) कैसा आम अचार बनाने के काम आता है?

(घ) कौन-से पेड़ की लकड़ियाँ हवन के समय काम आती हैं?

(ङ) किसकी दातून से दाँतों में कीड़ा नहीं लगता?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) रिंकी एक .... लड़की थी।

☐ शैतान ☐ प्यारी ☐ छोटी

(ख) पेड़ हमें जीने के लिए .... देते हैं।

☐ फल ☐ भोजन ☐ ऑक्सीजन

(ग) संसार के सभी पेड़-पौधों में कोई न कोई .... होता है।

☐ गुण ☐ फल ☐ सब्जियाँ

(घ) .... की टहनी दातून करने के काम आती है।

☐ आम ☐ नीम ☐ बरगद

2. वाक्यों को पूरा कीजिए—

उपहार, मित्र, दातून, ईंधन, ऑक्सीजन

(क) पेड़-पौधे हमारे सच्चे .... हैं।

(ख) नीम की टहनियों से .... बनती हैं।

(ग) नीम तो हमारे लिए प्रकृति का बहुत बड़ा .... है।

(घ) कुछ लोग तो लकड़ियों का प्रयोग .... के रूप में भी करते हैं।

(ङ) पेड़-पौधे हमें जीने के लिए .... देते हैं।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) रिंकी एक दिन बीमार हो गई थी। ☐

(ख) नीम अचार डालने के लिए काम आता है। ☐

(ग) प्रत्येक पेड़-पौधे में कोई न कोई गुण अवश्य होता है। ☐

(घ) बहुत से पशु घोंसला बनाकर पेड़ पर रहते हैं। ☐

(ङ) रिंकी की माँ ने सभी बच्चों को पेड़ लगाने के लिए कहा। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) रिंकी किस प्रकार ठीक हुई?

(ख) पेड़-पौधे हमें क्या-क्या चीजें देते हैं?

(ग) लकड़ी का उपयोग किस-किस काम के लिए किया जाता है?

(घ) पेड़-पौधे पशु-पक्षियों के लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?

भाषा-ज्ञान

1. निम्न शब्दों के वचन बदलिए–

(क) सहेली	–	सहेलियाँ	(ख) कीड़ा	–	....
(ग) दवाई	–	....	(घ) दाना	–	....
(ङ) पत्ती	–	....	(च) पौधा	–	....
(छ) डाली	–	....	(ज) पत्ता	–	....
(झ) लकड़ी	–	....	(ञ) घोंसला	–	....

2. उदाहरण देखिए और एक-एक शब्द लिखिए–

(क) त्त	–	पत्तियाँ	....	(ख) ब्ज	–	सब्जी	....
(ग) क्त	–	अतिरिक्त	....	(घ) द्ध	–	शुद्ध	....
(ङ) न्य	–	न्याय	....	(च) च्छ	–	अच्छा	....
(छ) च्च	–	बच्चा	....	(ज) न्न	–	प्रसन्न	....

3. समान अर्थवाले शब्द पर (✓) लगाइए–

(क) वायु	–	☐ जमीन	☐ हवा	☐ नदी
(ख) शुद्ध	–	☐ साफ	☐ गंदा	☐ अशुद्ध
(ग) उपयोगी	–	☐ योग	☐ अधिक	☐ लाभदायक
(घ) सहायता	–	☐ मदद	☐ असहाय	☐ सहायक
(ङ) फूल	–	☐ पुष्प	☐ गुलाब	☐ कमल

4. कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जो बोलने और सुनने में लगभग एक जैसे लगते हैं, परंतु उनका अर्थ अलग होता है। ऐसे शब्द समश्रुति भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं; जैसे–

समान् – बराबर
सामान् – वस्तु
सम्मान् – आदर

- **अब इन शब्दों के द्वारा खाली स्थान भरिए–**

(क) हमें सदैव अपने से बड़ों का .... करना चाहिए।

(ख) कुली स्टेशन पर .... उठाते हैं।

(ग) माता-पिता के लिए सभी बच्चे एक .... होते हैं।

5. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) परिवार — ....

(ख) मित्र — ....

(ग) सहायता — ....

(घ) वायु — ....

(ङ) उपयोगी — ....

क्रियात्मक गतिविधि

- अपने घर के आस-पास पेड़ लगाइए और उनकी देखभाल कीजिए।
- किन्हीं दो पेड़ों के चित्र बनाइए और उनके बारे में जानकारी एकत्रित करके उन्हें बुलेटिन बोर्ड पर लगाइए।
- पेड़-पौधों के बारे में पाँच स्लोगन लिखकर कक्षा में लगाइए।
- तुम पेड़-पौधों की सुरक्षा के लिए क्या-क्या कर सकते हो? अपनी कार्यपुस्तिका में नोट कीजिए।
- पेड़-पौधों को काटने से होने वाली क्षति के विषय में कक्षा में चर्चा कीजिए।
- दिए गए स्थान पर किन्हीं छः प्रकार के उपयोगी पेड़ों के चित्र चिपकाइए तथा प्रत्येक के नाम भी लिखिए।

....	....	....
....	....	....